

प्रदेश के दो वभूतयिाँ पद्म शरी सम्मान के लयि चयनति

चर्चा में क्योँ?

25 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपतिने गणतंत्र दविस की पूरव संधया पर वर्ष 2023 के लयि देश के सर्वोच्च नागरकि पुरस्कारों 'पद्म पुरस्कारों'की घोषणा की। इनमें हरयिाणा की दो वभूतयिाँ को पद्म शरी अवार्ड के लयि चुना गया है।

प्रमुख बदि

- वर्ष 2023 के लयि, राष्ट्रपतिने तीन दवय मामलों (एक दवय मामले में, पुरस्कार को एक के रूप में गना जाता है) सहति 106 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है।
- सूची में 6 पद्म वभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म शरी पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों की सूची में 19 महिलाएँ हैं और वदिशयिाँ/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई की श्रेणी के 2 व्यक्ती और 7 मरणोपरांत पुरस्कार पाने वाले भी शामिल हैं।
- पद्म पुरस्कार के लयि चयनति हरयिाणा की दो वभूतयिाँ में बक्षी राम और डॉ. सुकामा आचारया शामिल हैं।
- झज्जर ज़लि के अकूपुर गाँव की डॉ. सुकामा आचारया को अध्यातमवाद के क्षेत्र में वशिषिट सेवा के लयि और गुरुग्राम के कृषि वैज्जानकि डॉ. बखशी राम को वज्जिज्ञान एवं अभयिांतरकि के क्षेत्र में वशिषिट सेवा के लयि पद्म शरी अवार्ड के लयि चुना गया है।
- कृषि वैज्जानकि डॉ. बखशी राम को गन्ने की कस्मि CO-0238 वकिसति करने के लयि जाना जाता है।
- गौरतलब है कि देश के सर्वोच्च नागरकि पुरस्कारों में पद्म पुरस्कार शामिल है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणयिाँ- पद्म वभूषण, पद्म भूषण और पद्म शरी के रूप में प्रदान कयि जाते हैं। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दविस के अवसर पर पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।
- यह पुरस्कार कला, सामाजकि कार्य, सारवजनकि मामले, वज्जिज्ञान और इंजीनियरगि, व्यापार और उद्योग, चकित्सिा, साहतिय और शकिषा, खेल, सविलि सेवा आदि जैसे वभिन्नि वषियों/गतविधियिाँ के क्षेत्रों में दयि जाते हैं।
- असाधारण और वशिषिट सेवा के लयि 'पद्म वभूषण', उच्च स्तर की वशिषिट सेवा के लयि 'पद्म भूषण' और कसिी भी क्षेत्र में वशिषिट सेवा के लयि 'पद्म शरी'से सम्मानति कयिा जाता है।
- ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपतिद्वारा औपचारकि समारोहों में प्रदान कयि जाते हैं जो आमतौर पर हर साल मार्च/अप्रैल के आसपास राष्ट्रपतिभवन में आयोजति कयि जाते हैं।